

तारीख  
हुकम

गवर रिपोर्ट दि. 19/9/25 को पेश हो

19/9/25

मनावला पेश हुई अभिभाषक समय पक्ष उपस्थित है। आज श्रावण  
उपखण्ड अधिकारी राज्य कार्यवश बाहर दौरे में तशरीफ रखते हैं।  
अन्य कार्य में व्यस्त है। अभिभाषकगण कन्डोलेंस पर है। अतः  
श्रावण साबिक कार्यवाही हेतु दिनांक 28/10/25 को पेश हो

28/10/25 वकील प्रार्थी उपर पञ्जावली वास्ते इन्टर  
गवर रिपोर्ट दिनांक 24/11/25 को पेश हो

24/11/25

मनावला पेश हुई अभिभाषक समय पक्ष उपस्थित है। आज श्रावण  
उपखण्ड अधिकारी राज्य कार्यवश बाहर दौरे में तशरीफ रखते हैं।  
अन्य कार्य में व्यस्त है। अभिभाषकगण कन्डोलेंस पर है। अतः  
श्रावण साबिक कार्यवाही हेतु दिनांक 4/12/25 को पेश हो

4/12/25

मनावला पेश हुई अभिभाषक समय पक्ष उपस्थित है। आज श्रावण  
उपखण्ड अधिकारी राज्य कार्यवश बाहर दौरे में तशरीफ रखते हैं।  
अन्य कार्य में व्यस्त है। अभिभाषकगण कन्डोलेंस पर है। अतः  
श्रावण साबिक कार्यवाही हेतु दिनांक 23/12/25 को पेश हो

23/12/25

वकील प्रार्थी 34/ पञ्जा. वास्ते पञ्जावली पेश हो  
सरकार दि. 0 30/12/25 को पेश हो

30/12/25

वकील प्रार्थी उपर पञ्जावली पेश हो सरकार पेश दिनांक व हम  
उभयपक्ष वकील प्रार्थी व पेश हो सूची गये। प्रा. पञ्जावली गण  
राजस्थान भू-राज्य अधिनियम 1956 की धारा 136 में निहित  
प्रावधानों के अन्तर्गत पोषणीय नहीं होने से खारिज किया जा रहा है।  
पञ्जावली फैमिल इन्फार्मेशन से कम हो। बादत वकील  
वकील नियमानुसार दाखिल दफ्तर हो।

## न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, तालेडा जिला बूंदी

(पीठासीन अधिकारी श्रीमते मनस्वी नरेश आर.एस.)

तारीख दायरा

16.05.2024

तारीख फैसला

30.12.2025

फैसल नं०  
179/प्रा० पत्र/2024

1. सूरजबाई आयु 50 वर्ष पति दिनेश कुमार जाति बाहमण निवासी ग्राम सांदडी तहसील तालेडा जिला बूंदी राजस्थान।
2. गीताबाई आयु 70 वर्ष पति रामनारायण जाति बाहमण निवासी ग्राम सांदडी तहसील तालेडा जिला बूंदी राजस्थान।

प्रार्थीगण

बनाम

श्रीमान तहसीलदार महोदय तहसील तालेडा जिला बूंदी

अप्रार्थी

उपस्थित अभिभाषक

अधिवक्ता प्रार्थी :- श्री रामरतन सुमन

अधिवक्ता अप्रार्थी :- परोकार सरकार

- : : निर्णय : : -

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 131, 136 एल. आर. एक्ट में तथ्य इस प्रकार है कि प्रार्थीगण ब्राह्मण जाति की महिलाएँ है जो आपस में सास-बहु है। ग्राम बड़ून्दा तहसील तालेडा जिला बूंदी में प्रार्थीया सूरजबाई की खाता 422 खसरा संख्या 1137/620 रकबा 1.4811 है0 व गीता बाई की खाता संख्या 66 खसरा संख्या 1138/620 रकबा 1.4811 है0 कि खातेदारी अधिकार की भूमि स्थित है। प्रमाण स्वरूप जमाबंदी संवत् 2080 प्रस्तुत की जा रही है। उक्त प्रा०पत्र में वर्णित कृषि भूमि प्रार्थीगण के खातेदारी व अधिकार में चली आ रही है जिस पर प्रार्थीगण काश्तकारी करते चली आ रही है। अप्रार्थी व उसके अधिनस्त कर्मचारियों द्वारा कुछ समय पूर्व राजस्व रिकॉर्ड कम्प्यूटरीकृत नक्शा तरमीम बनाये गये है। अप्रार्थी के राजस्व कर्मचारियों द्वारा प्रा०पत्र में वर्णित कृषि भूमि का पूर्व में नक्शा तरमीम किया गया था जो प्रार्थीगण के कब्जे काश्त अनुसार नहीं करके गलत एवं त्रुटि पूर्ण ढंग से अन्यत्र जगह पर कर दिया गया है। जिससे प्रार्थीगण को कृषि कार्य करने व राजस्व आदि देने व उक्त कृषि भूमि की लाभकारी योजनाओं का लाभ लेने में कहीं प्रकार की परेशानीयों का सामना करना पड़ रहा है जिससे प्रार्थीगण को मानसिक व आर्थिक क्षति हो रही है। प्रार्थीगण ने 05.04.2024 को अप्रार्थी के यहाँ जाकर वाद में वर्णित उक्त भूमि ख०न० 1137/620 रकबा 1.4811 है0 व 1138/620 रकबा 1.4811 है0 का मौके पर कब्जे काश्त के अनुसार नक्शा राजस्व रिकॉर्ड दुरुस्ती करने हेतु कहा तो अप्रार्थी द्वारा राजस्व रिकॉर्ड नक्शा में इन्द्राज दुरुस्ती नहीं की गई व मना कर दिया इसलिये वाद कारण दिनांक 05.04.2024 को उत्पन्न हुआ है। जो लगातार जारी है। प्रार्थीगण को यह अधिकार प्राप्त है कि प्रार्थना पत्र में वर्णित कृषि भूमि ख० न० 1137/620 रकबा 1.4811 है0 व ख० न० 1138/620 रकबा 1.4811 है0 का मौके पर कब्जे काश्त के अनुसार नक्शा में तरमीम करवाकर राजस्व रिकॉर्ड में इन्द्राज दुरुस्ती करवावे। अतः प्रार्थना है कि प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर अप्रार्थी को प्रार्थीगण की कृषि भूमि ख०न० 1137/620 रकबा 1.4811 है0 व 1138/620 रकबा 1.4811 है0 वाके ग्राम बड़ून्दा तहसील तालेडा जिला बूंदी को नक्शा सहित राजस्व रिकॉर्ड में इन्द्राज दुरुस्ती कर मौके पर कब्जे काश्त अनुसार अमल दराज किये जाने के आदेश प्रदान की जावे।

प्रार्थी द्वारा प्रार्थना पत्र के समर्थन में नकल जमाबंदी, खाता सं० 422 वाके ग्राम बड़ून्दा, भू-नक्शा खसरा सं० 1137/620, नकल जमाबंदी खाता सं० 66 वाके ग्राम बड़ून्दा, भू-नक्शा खसरा सं० 1138/620 वाके ग्राम बड़ून्दा संवत् 2076 नक्शा ट्रेस वाके ग्राम बड़ून्दा नकल क्रमांक 158 व आधार कार्ड सूरज कवंर व गीता बाई का पेश किया। प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर कर अप्रार्थी को जर्च नोटिस तलब किया गया।

अप्रार्थी तहसीलदार तालेडा द्वारा जर्च पत्रांक 3016 दिनांक 29.07.2024 से रिपोर्ट प्रस्तुत कर अंकित किया कि पटवार हल्का बड़ून्दा व भू०अ०नि० वृत्त बाजड से प्राप्त संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार ग्राम बड़ून्दा की चालू जमाबंदी में खाता सं० 66 खसरा संख्या 1138/620 रकबा 1.4811 है0 खातेदार सूरजबाई पति दिनेश ब्राह्मण नि० सान्दडी, खाता सं० 422 खसरा संख्या 1137/620 रकबा 1.4811 है0, खाता सं० 230 खसरा संख्या 1195/620 रकबा 1.7806 है0 भरत पिता पृथ्वीराज जाति जाट नि० बड़ून्दा व खाता सं० 270 खसरा संख्या 1196/620 रकबा 1.6187 है0 मिथलेश

सिंह जाति जाट नि० बड़ुन्दा खातेदार दर्ज रिकार्ड है। उक्त वर्णित प्रार्थीगण खातेदारान वर्तमान राजस्व नक्शा काशत अनुसार नक्शा शुद्धि करवाना चाहते है। जिसका रिकार्ड अनुसार व मौका अनुसार नजदी नक्शा रिपोर्ट में अंकित है। उपरोक्त चारो खसरा नं० का कुल रकबा 6.3615 है० है। वर्तमान राजस्व नक्शा अनुसार कुल रकबा 6.3615 है० नही होकर कम बनता है। अतः ऐसी स्थिति में रिपोर्ट में वर्णित प्रस्तावित व मौका अनुसार राजस्व में आनुपातिक कमी की जाकर तरमीम शुद्धि किया जाना उचित होगा।

पेरोकार सरकार ने जवाब प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर अंकित किया कि मूल खसरा 620 ग्राम बड़ुन्दा के खसरा नं० 1137/620, 1138/620, 1195/620 व 1196/620 में विभक्त है। प्रस्तावित नक्शा तरमीम में अन्य खाताधारकों के अधिकार प्रभावित होना स्वाभाविक है साथ ही यह भी स्पष्ट है कि विवाद का मूल कारण बन्दोबस्त नक्शे एवं रकबे की कथित त्रुटी से संबंधित है। जिसका सुधार धारा 131, 136 एलआर एक्ट के अन्तर्गत किया जाना विधि सम्मत नही है। बहस उभयपक्ष सुनी गयी। दोराने बहस वकील प्रार्थी ने प्रार्थना पत्र में अंकित तथ्यों को दोहराते हुये निवेदन किया कि प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर अप्रार्थी को प्रार्थीगण की कृषि भूमि ख०नं० 1137/620 रकबा 1.4811 है० व 1138/620 रकबा 1.4811 है० वाके ग्राम बड़ुन्दा तहसील तालेडा जिला बून्दी को नक्शा सहित राजस्व रिकार्ड में इन्द्राज दुरुस्ती कर मौके पर कब्जे काशत अनुसार अमल दरामद किया जावे ।

दोराने बहस पेरोकार सरकार ने जवाब प्रार्थना पत्र दोहराते हुये रिपोर्ट तहसीलदार अनुसार रकबे में अनुपातिक कमी की जाकर तरमीम किये जाने के प्रावधान मू-प्रबंधन अधिनियम के तहत होने से उक्त तरमीम एवं रकबे की शुद्धि अन्तर्गत धारा 131 के निहित प्रावधानों के तहत निहित नही होने से प्रार्थी का प्रार्थना पत्र खारिज किये जाने का निवेदन किया।

बहस उभयपक्ष पर मनन करने एवं पत्रावली पर उपलब्ध रेकार्ड व रिपोर्ट तहसीलदार का अवलोकन करने पर हम इस निष्कर्ष पर पहुचे है कि प्रार्थीगण की प्रार्थना पत्र में वर्णित आराजी रकबा पूर्ण नही होकर कम बनता है जिसे तहसीलदार ने अपनी रिपोर्ट में आनुपातिक कमी कर तरमीम शुद्ध किये जाने का अंकन किया है। किसी भी काशतकार की भूमि को आनुपातिक रूप से कम किया जाना मू-प्रबंध अधिनियम में निहित शक्तियों के अधीन होने से इस न्यायालय द्वारा प्रार्थीगण को अनुतोष प्रदान नही किया जा सकता। प्रार्थीगण की आराजी को आनुपातिक रूप से कम कर तरमीम दुरुस्त किया जाना राजस्थान मू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 131 में निहित प्रावधानों के अन्तर्गत पोषणीय नही होने से तरमीम दुरुस्त किया जाना न्यायोचित प्रतीत नही होता है।

आदेश

अतः प्रार्थना पत्र प्रार्थीगण राजस्थान मू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 131 में निहित प्रावधानों के अन्तर्गत पोषणीय नही होने से खारिज किया जाता है।

यह निर्णय आज दिनांक 30.12.2025 को मेरे द्वारा टंकित कराया जाकर सरेड्जलास सुनाया गया।

(मनस्वी नरेश)  
उपस्वण्ड अधिकारी  
तालेडा